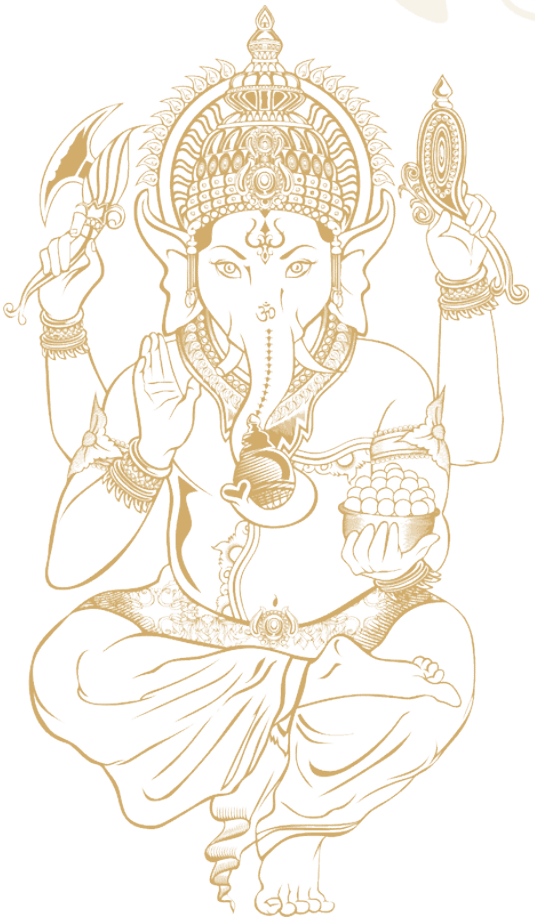

Aaditya

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121697703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/11/1999	जन्म तिथि	12/09/1998
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 20:45:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 34:36:26	जन्म समय(घटी)	31:13:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kota
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:25	सूर्योदय	06:10:53
17:33:12	सूर्यास्त	18:33:42
23:51:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 7वर्ष 6मा 8दि		26:00:36	मिथु	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
शनि		10:03:30	वृश्चि	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
05/06/2007		27:03:49	मिथु	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
05/06/2026		06:24:48	मक	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
शनि	08/06/2010	21:57:40	तुला	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
बुध	15/02/2013	02:08:37	मेष व	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
केतु	27/03/2014	25:26:37	कन्या	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
शुक्र	27/05/2017	18:17:18	मेष व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
सूर्य	09/05/2018	11:46:25	कर्क व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
चन्द्र	08/12/2019	11:46:25	मक व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
मंगल	16/01/2021	19:30:33	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
राहु	23/11/2023	08:15:30	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
गुरु	05/06/2026	16:14:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

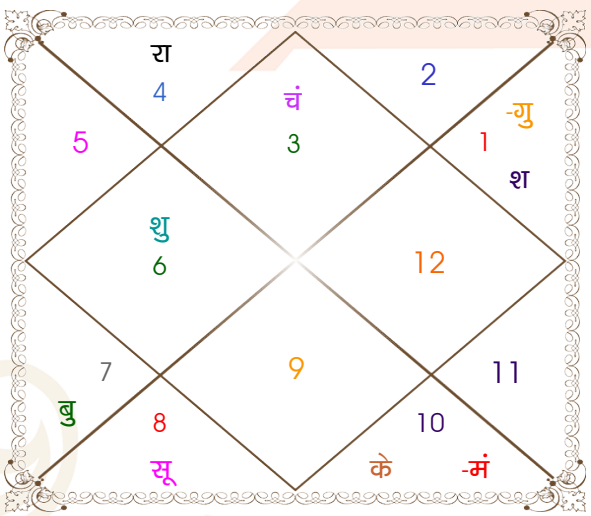

लग्न-चलित

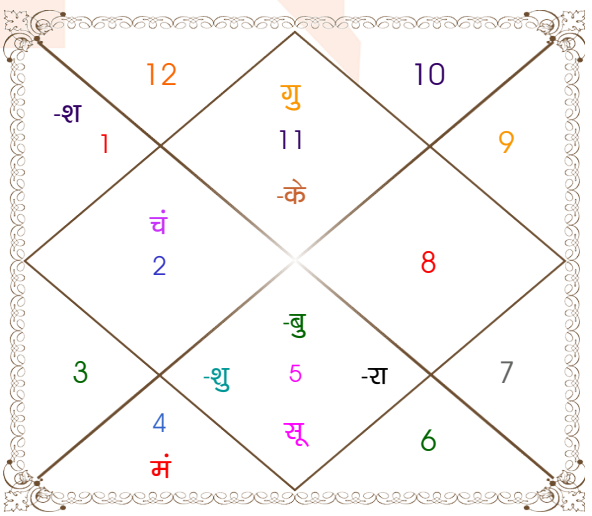

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूV दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ंकपजलं का वर्ग मेष है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार ंकपजलं और V का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ंकपजलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ंकपजलं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

ंकपजलं तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।